शहर में अब ब्लैक स्पॉट नहीं, पहले बनेगा रेड स्पॉट

सड़क हादसे रोकने के लिए ट्रैफिक पुलिस की नई पहल

नवभारत न्यूज

भोपाल, 1 अगस्त. राजधानी में सड़क हादसों को रोकने के लिए भोपाल ट्रैफिक पुलिस ने नई रणनीति अपनाई है. अब किसी स्थान पर लगातार दुर्घटनाएं होने के बाद उसे ब्लैक स्पॉट घोषित करने का इंतजार नहीं किया जाएगा. इसके बजाय ऐसे स्थानों की पहले से पहचान कर उन्हें रेड स्पॉट के रूप में चिन्हित किया जा रहा है, जहां सड़क की बनावट, इंजीनियरिंग खामियां, दृश्यता की कमी, गलत कट, तीखे मोड़ या अत्यधिक यातायात के कारण भविष्य में गंभीर हादसों की आशंका बनी रहती है.

ट्रैफिक पुलिस ने शहर के 36 थाना क्षेत्रों में 46 संभावित दुर्घटना स्थलों की पहचान की है. इन स्थानों की सूची संबंधित निर्माण एजेंसियों, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम और अन्य विभागों को भेजी जाएगी, ताकि आवश्यक सुधार कर समय रहते दुर्घटनाओं की संभावना कम की जा सके.

पुलिस अधिकारियों के अनुसार कई बार दुर्घटनाएं केवल तेज रफ्तार या यातायात नियमों के उल्लंघन से नहीं होतीं, बल्कि सड़क की खराब डिजाइन, अव्यवस्थित चौराहे, अपर्याप्त संकेतक, खराब रोशनी, गलत यू-टर्न, डिवाइडर की कमी और दृश्यता जैसी इंजीनियरिंग खामियां भी बड़े हादसों का कारण बनती हैं. ऐसे स्थानों पर चालक के पास दुर्घटना से बचने का अवसर बेहद कम रह जाता है. इसी को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने शहर के उच्च जोखिम मार्ग, अधिक यातायात वाले कॉरिडोर और संवेदनशील चौराहों का विस्तृत सर्वे कराया है. सर्वे के आधार पर सड़क चौड़ीकरण, संकेतक लगाने, स्ट्रीट लाइट सुधारने, डिवाइडर बनाने, स्पीड कंट्रोल उपाय लागू करने और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए संबंधित विभागों को प्रस्ताव भेजे जाएंगे.

हादसों से पहले रोकथाम: ट्रैफिक पुलिस का मानना है कि सड़क सुरक्षा केवल चालकों पर कार्रवाई से सुनिश्चित नहीं की जा सकती. यदि सड़क की भौतिक संरचना और यातायात व्यवस्था में समय रहते सुधार किए जाएं तो बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है. इसी सोच के तहत रेड स्पॉट की अवधारणा लागू की गई है, ताकि हादसे होने से पहले ही जोखिम वाले स्थानों को सुरक्षित बनाया जा सके.

इनका कहना है

जिन स्थानों पर सड़क की बनावट, डिजाइन या यातायात व्यवस्था के कारण दुर्घटनाओं की आशंका अधिक है, उन्हें रेड स्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है. इन स्थानों की जानकारी संबंधित निर्माण एजेंसियों को भेजी जाएगी, ताकि आवश्यक सुधार कार्य कर भविष्य में होने वाले हादसों को रोका जा सके.

बसंत कौल, डीसीपी (प्रभारी), यातायात पुलिस

चार वर्षों के आंकड़ों का किया अध्ययन

रेड स्पॉट चिन्हित करने के लिए पुलिस ने पिछले चार वर्षों के सड़क हादसों का रिकॉर्ड, यातायात का दबाव, सड़क की संरचना, दुर्घटनाओं के कारण और मौके के निरीक्षण का विस्तृत विश्लेषण किया. जिन स्थानों पर भविष्य में गंभीर दुर्घटनाओं की आशंका अधिक पाई गई, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सूची में शामिल किया गया.

शहर में यह प्रमुख रेड स्पॉट

बेस्ट प्राइस तिराहा, तरुण पुष्कर तिराहा, साक्षी ढाबा तिराहा, बावड़िया चौराहा, भदभदा चौराहा, माता मंदिर चौराहा, महात्मा गांधी चौराहा, नीलबड़ तिराहा, मैनिट चौराहा, अंकुर स्कूल तिराहा इसके अलावा अन्य थाना क्षेत्रों के कई संवेदनशील स्थानों को भी सूची में शामिल किया गया है, जहां जल्द सुधार कार्य कराने की योजना है.

प्रदेश में आईपीएस कैडर बढ़ाने की तैयारी

पुलिस मुख्यालय ने 32 नए पदों का भेजा प्रस्ताव

नवभारत न्यूज

भोपाल, 1 अगस्त. प्रदेश में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों की संख्या बढ़ाने की कवायद शुरू हो गई है. पीएचक्यू ने वर्ष 2027 में प्रस्तावित कैडर समीक्षा को देखते हुए करीब 32 नए आईपीएस पद सृजित करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा है.

राज्य सरकार की मंजूरी मिलने के बाद इसे केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा जाएगा. यदि प्रस्ताव स्वीकृत होता है तो प्रदेश में वर्तमान 319 आईपीएस पदों की संख्या में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि हो जाएगी. पुलिस मुख्यालय ने पुलिस अधीक्षक से लेकर पुलिस महानिदेशक स्तर तक विभिन्न रैंकों में नए पद बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया है. प्रशासन शाखा ने प्रारंभिक तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं. हालांकि अंतिम निर्णय केंद्र सरकार के अनुमोदन के बाद ही होगा और पूरी प्रक्रिया में एक से डेढ़ वर्ष का समय लग सकता है. प्रस्ताव के अनुसार यदि केंद्र सरकार सभी 32 नए पदों को मंजूरी देती है तो इनमें से लगभग 33 प्रतिशत पद राज्य पुलिस सेवा से पदोन्नत होकर आईपीएस बनने वाले अधिकारियों के लिए आरक्षित होंगे. इस स्थिति में करीब 10 अधिकारियों को सीधे लाभ मिल सकता है. हालांकि पिछले अनुभव को देखते हुए पुलिस मुख्यालय की पूरी मांग स्वीकार होने की संभावना कम मानी जा रही है. पिछली कैडर समीक्षा के दौरान भी राज्य ने बड़ी संख्या में नए पदों की मांग की थी, लेकिन केंद्र सरकार ने केवल लगभग 5 प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दी थी.

नौ साल पीछे चल रही कैडर समीक्षा प्रक्रिया

केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार आईपीएस कैडर की समीक्षा हर पांच वर्ष में होनी चाहिए. वर्ष 2003 के बाद यह समीक्षा 2008, 2013, 2018 और 2023 में होनी थी, लेकिन तय समय पर ऐसा नहीं हो सका. प्रदेश में वर्ष 2003 के बाद पहली समीक्षा 2010, दूसरी 2015 और तीसरी 2022 में लागू हुई. इस प्रकार निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार अब तक पांच बार समीक्षा हो जानी चाहिए थी, लेकिन केवल चार बार ही प्रक्रिया पूरी हो सकी. इससे कैडर समीक्षा का पूरा कार्यक्रम करीब नौ वर्ष पीछे चल रहा है। अब पुलिस मुख्यालय ने आगामी 2027 की कैडर समीक्षा को समय पर लागू कराने के उद्देश्य से तैयारी शुरू कर दी है.

पुलिया के नीचे मिला व्यक्ति का शव

भोपाल (नवभारत रिपोर्टर). शाहपुरा पुलिस थाने के पास एक पुलिया के नीचे पुलिस को एक अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद हुआ. शनिवार को पुलिस ने शव को बरामद कर मर्चुरी भेज दिया है.

जानकारी के मुताबिक शाहपुरा पुलिस थाने के पास अधेड़ व्यक्ति का शव मिला है. व्यक्ति की उम्र करीब 50 साल आंकी गई है. पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि व्यक्ति नशे में था. वह पुलिया पर बैठा था, जहां उसका संतुलन बिगड़ गया और वह पुलिया से नीचे गिर गया. पुलिस ने मृतक के परिजनों के बारे में जानकारी जुटाते हुए सूचना दे दी है. परिजनों की मौजूदगी में शव का पीएम कराया जाएगा. मर्ग कायम कर पुलिस जांच में जुट गई है.

बिजली के पोल के सपोर्ट वायर पर चढ़ी कार

नवभारत न्यूज

भोपाल, 1 अगस्त. आनंद नगर क्षेत्र में शनिवार सुबह एक हैरान कर देने वाला सड़क हादसा हुआ. तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराने के बाद बिजली के खंभे को सहारा देने वाली स्टील की सपोर्ट वायर पर चढ़ गई. राहत की बात यह रही कि हादसे में चालक पूरी तरह सुरक्षित बच गया और किसी अन्य व्यक्ति को भी चोट नहीं आई.

पुलिस के अनुसार घटना शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे आकाशवाणी कार्यालय के सामने हुई. कार चालक भोपाल से रायसेन की ओर जा रहा था. इसी दौरान पास से गुजर रहे एक अन्य वाहन से बचने के प्रयास में उसने कार मोड़ दी. इससे कार पहले सड़क के डिवाइडर से टकराई और घबराहट में चालक का पैर एक्सीलेटर पर अधिक दब गया. अचानक बढ़ी रफ्तार के कारण कार सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे को सहारा देने वाली दोहरी स्टील सपोर्ट वायर पर चढ़ गई.मजबूत स्टील वायर नहीं टूटी, जिससे कार उसी पर अटककर लटक गई. चालक ने स्वयं क्रेन बुलाकर कार को सपोर्ट वायर से नीचे उतरवाया.

भोपाल से एयर इंडिया एक्सप्रेस की नियमित उड़ान सेवाएं शुरू

दिल्ली-मुंबई के लिए प्रतिदिन तीन फ्लाइट

भोपाल, 1 अगस्त. राजा भोज विमानतल से एयर इंडिया एक्सप्रेस की नियमित उड़ान सेवाओं की शुरुआत हो गई. दिल्ली से आने वाली पहली उड़ान आईएक्स-1789 दोपहर 12:10 बजे भोपाल पहुंची, जिसका वाटर कैनन सलामी से स्वागत किया गया.

इस मौके पर विमानतल निदेशक आलोक त्रिपाठी सहित भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, सीआईएसएफ और एयर इंडिया एक्सप्रेस के अधिकारी मौजूद रहे. प्रथम यात्री को बोर्डिंग पास भी प्रदान किया गया. एयर इंडिया एक्सप्रेस अब भोपाल से प्रतिदिन तीन उड़ानों का संचालन करेगी. इनमें दिल्ली के लिए दो और मुंबई के लिए एक उड़ान शामिल है. कंपनी आगामी शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में अन्य शहरों के लिए भी सेवाएं बढ़ा सकती है. पहले दिन दिल्ली से आई पहली उड़ान में 140 यात्री भोपाल पहुंचे, जबकि 139 यात्री दिल्ली रवाना हुए. दूसरी दिल्ली उड़ान से 116 यात्री भोपाल आए और 110 रवाना हुए। मुंबई उड़ान से 128 यात्री पहुंचे तथा 112 यात्री मुंबई गए.

मंदिर में चोरी मुकुट की बरामदगी का प्रयास

भोपाल. एमपी नगर इलाके में हनुमान मंदिर से चोरी भगवान का मुकुट बरामद करने के प्रयास में पुलिस जुटी है. जानकारी के मुताबिक संकट मोचन हनुमान मंदिर से भगवान लक्ष्मणजी का चांदी का मुकुट चोरी होने के मामला गुरुवार को सामने आया था. पुलिस ने पुजारी की शिकायत पर आरोपी को तुरंत ही गिरफ्तार किया. आरोपी से पुलिस चोरी गए मुकुट के बेचने और छिपाने की जानकारी जुटा रही है.

कंटेनर की टक्कर से 6 गौवंश की मौत, 3 घायल

भोपाल. मिसरोद के समरधा क्षेत्र में देर रात एक कंटेनर की टक्कर से छह गौवंश की मौत हो गई, जबकि 3 अन्य घायल हो गए. मंडीदीप निवासी शुभम तिवारी बजरंग दल के गौरक्षा नगर प्रमुख हैं. उन्होंने शिकायत दर्ज कराई कि 31 जुलाई की रात करीब एक बजे उनके मित्र करण ने फोन पर सूचना दी कि समरधा के पास गौवंश दुर्घटना का शिकार हो गया है. सूचना मिलने पर शुभम और कुलदीप मौके पर पहुंचे. वहां उन्होंने देखा कि एचआर-55-एयू-3762 नंबर के कंटेनर की टक्कर से सड़क पर नौ गौवंश घायल पड़े हुए हैं.हादसे में छह गौवंश की मौत हो गई.

पेट्रोल पंपों की जांच में मिलीं अनियमितताएं

भोपाल. खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने शनिवार को पेट्रोल पंपों और गैस के अवैध कारोबार की जांच की. कमला पार्क स्थित योर सर्विस स्टेशन एचपीसीएल की जांच में पेट्रोल-डीजल के स्टॉक में सीमा के भीतर अंतर पाया गया. साथ ही विस्फोटक अनुज्ञप्ति के अनुसार निर्धारित संख्या से दो अधिक डिस्पेंसिंग यूनिट मिलीं. पीएंडटी चौराहे स्थित आरके पेट्रोलियम एचपीसीएल में स्टॉक निर्धारित सीमा में मिला, लेकिन भूमिगत डीजल टैंक में 116 लीटर पानी पाया गया. पेट्रोल के एक नोजल से 50 मिलीलीटर कम विक्रय होने पर नोजल सील कर दिया गया.

बिल अपडेट कराने के नाम 82 हजार ठगे

- महिला को वॉट्सएप पर भेजी एपीके फाइल
- साइबर ठग ने खुद को बिजली कर्मचारी बताया

नवभारत न्यूज

भोपाल, 1 अगस्त. साइबर जालसाजों ने बिजली विभाग का अधिकारी बनकर एक व्यक्ति से करीब 82 हजार रुपए ठग लिए. आरोपियों ने पहले वॉट्सएप पर संदेश भेजा, फिर एपीके फाइल डाउनलोड कराकर क्रेडिट कार्ड की जानकारी हासिल कर ली.

इसके बाद पीड़ित के खाते से रुपये का ऑनलाइन लेनदेन कर लिया गया. बागसेवनिया पुलिस के अनुसार पिपलिया पेंदे खां निवासी बद्री प्रसाद रजक ने बताया कि 29 जुलाई को उनकी पत्नी ट्विंकल मालवीय के मोबाइल पर अज्ञात वॉट्सएस नंबर से संदेश आया, जिसमें बिजली बिल का भुगतान अपडेट नहीं होने की बात कहकर दिए गए नंबर पर संपर्क करने को कहा गया. पत्नी द्वारा कॉल करने पर सामने वाले व्यक्ति ने स्वयं को बिजली विभाग का कर्मचारी बताया और भुगतान अपडेट करने के लिए वॉट्सएप पर एक एपीके फाइल भेजी. उसने 12 रुपये का भुगतान करने का झांसा दिया और कहा कि यह राशि अगले बिजली बिल में समायोजित कर दी जाएगी.

> पीड़ित की पत्नी ने पहले अपने डेबिट कार्ड की जानकारी दर्ज कर भुगतान करने का प्रयास किया, लेकिन भुगतान नहीं हुआ. इसके बाद बद्री प्रसाद ने उसी एपीके फाइल को अपने मोबाइल में खोलकर अपने क्रेडिट और डेबिट कार्ड की जानकारी दर्ज कर दी.जब 12 रुपये का भुगतान नहीं हुआ तो उन्होंने दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया. बातचीत के दौरान भाषा और व्यवहार से उन्हें संदेह हुआ कि यह साइबर ठगी है.

नशीले पदार्थ बेचने वालों को 6-6 माह की जेल

सिटी रिपोर्टर

भोपाल, 1 अगस्त . नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है. संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने विदिशा और भोपाल जिले के दो आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें 6-6 माह के लिए केंद्रीय जेल इंदौर में निरुद्ध रखने के आदेश जारी किए हैं.

संभागायुक्त ने यह कार्रवाई मादक औषधि और मादक पदार्थ अवैध व्यापार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 3(1) के तहत की है. आदेश के अनुसार विदिशा जिले के गंजबासौदा निवासी दीपक रघुवंशी और भोपाल के बागसेवनिया निवासी शैलू उर्फ शैलेष कंवर के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की गई थी.जिला दंडाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और पुलिस आयुक्त नगरीय पुलिस भोपाल से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर दोनों आरोपियों को केंद्रीय जेल इंदौर में 6-6 माह तक रखने के निर्देश दिए गए हैं.

नशे में धुत कार सवार ने आरक्षक पर किया हमला

आंख में चोट आई, वर्दी भी फाड़ी, दोनों आरोपी जेल गए

नवभारत न्यूज

भोपाल, 1 अगस्त. छोला मंदिर थाना क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात वाहन चैकिंग के दौरान दो युवकों ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया. आरोपियों ने पहले पुलिस से अभद्रता की, फिर शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए आरक्षक के साथ मारपीट कर दी. हमले में आरक्षक की आंख के पास गंभीर चोट आई और उसकी वर्दी भी फट गई.

पुलिस ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है. आरोपियों की पहचान मूलतः रायसेन निवासी अनुराग साहू (26) और हेमंत साहू (28) के रूप में हुई. दोनों आरोपी फाइनेंस कंपनी में काम करते हैं.

पुलिस के अनुसार उमा विहार, कोलुआ निवासी 41 वर्षीय गुलाब किरार छोला मंदिर थाने में आरक्षक हैं. शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात वे आरक्षक मनोज कुशवाह के साथ चार्ली वाहन में गश्त एवं वाहन चैकिंग ड्यूटी पर थे. रात करीब ढाई बजे भानपुर चौराहे पर चैकिंग के बाद वे क्षेत्र में रवाना होने ही वाले थे, तभी एक कार तेज गति से उल्टी दिशा में आती दिखाई दी. कार चालक बार-बार हेडलाइट जलाकर और बुझाकर वाहन चला रहा था. संदेह होने पर पुलिसकर्मियों ने उसे रोककर पूछताछ की. आरक्षक के अनुसार कार चालक ने पुलिस से कहा, मेरी गाड़ी है, मेरी मर्जी, जैसे चाहूं वैसे चलाऊं. जब उससे वाहन के दस्तावेज मांगे गए तो उसने दस्तावेज होने से इनकार कर दिया और पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी. आरोपी शराब के नशे में था और उसके मुंह से शराब की तेज दुर्गंध आ रही थी.

> पुलिस द्वारा समझाने का प्रयास करने पर कार चालक अचानक आरक्षक गुलाब किरार से भिड़ गया और हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी. इसी दौरान कार से उतरे उसके साथी ने भी हमला कर दिया. बीच-बचाव करने पहुंचे आरक्षक मनोज कुशवाह को भी आरोपियों ने धक्का दे दिया. मारपीट के दौरान कार चालक ने हाथ में पहने मोटे धातु के कड़े से आरक्षक गुलाब किरार के चेहरे पर वार किया, जिससे उनकी बाईं आंख के पास गंभीर चोट आई और खून बहने लगा. हमले में उनकी सरकारी वर्दी भी फट गई और खून से लथपथ हो गई.

15 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

भोपाल. क्राइम ब्रांच पुलिस ने एमपी नगर क्षेत्र में दबिश देकर एक युवक को 15.030 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है. आरोपी ओडिशा से गांजा लाकर भोपाल में उसकी सप्लाई करता था. पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बाइक भी जब्त की है. बरामद गांजा और वाहन की कुल कीमत करीब तीन लाख रुपये आंकी गई है. पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान 22 वर्षीय शिवम शर्मा, निवासी ग्राम सिलपटी, थाना ईसागढ़, जिला अशोकनगर के रूप में बताई. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ओडिशा से मादक पदार्थ लाकर भोपाल में सप्लाई करता था.

वन्य प्राणी संरक्षण | शावक की मां को तलाश कर रहा है वन विभाग

वन विहार के रेस्क्यू सेंटर में तेंदुए के शावक का इलाज जारी

सिटी रिपोर्टर

भोपाल, 1 अगस्त. ग्राम रसूलपुर में खेत से मिले करीब एक माह के बीमार तेंदूए शावक का अब वन विहार के रेस्क्यू सेंटर में उपचार किया जा रहा है. शुक्रवार सुबह खेल स्टेडियम के पास खेत में बेसुध हालत में मिले शावक को ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया था.

वन विभाग अधिकारियों के अनुसार शावक के शरीर पर किसी तरह की चोट या हमले के निशान नहीं मिले हैं. जांच में सामने आया कि बीमारी के कारण उसके पैर कमजोर हो गए थे, जिससे वह चलने-फिरने में असमर्थ था. बासौदा पशु चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार नहीं होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए वन विहार भोपाल भेजा गया. वन विहार के रेस्क्यू सेंटर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में शावक का इलाज चल रहा है. इधर, वन विभाग की टीम यह भी पता लगाने में जुटी है कि शावक खेत तक कैसे पहुंचा. अधिकारियों को आशंका है कि मादा तेंदुआ आसपास के क्षेत्र में मौजूद हो सकती है. इसके लिए आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है और मादा तेंदुए की गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है.

घायल बाघ युवराज की हालत में सुधार

देवास के ख्योनी वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी से गंभीर रूप से घायल अवस्था में रेस्क्यू किए गए 10 वर्षीय बाघ 'युवराज' की सेहत में अब सुधार के संकेत मिले हैं. युवराज को भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में इंटेंसिव केयर में रखा गया है, जहां विशेषज्ञों की निगरानी में उसका उपचार जारी है. अधिकारियों के अनुसार युवराज का जन्म ख्योनी अभयारण्य में हुआ था और करीब दो वर्ष की उम्र से वह टूरिज्म जोन में नजर आता रहा है. बताया गया कि क्षेत्र में बाघों की आबादी बढ़ाने में युवराज की अहम भूमिका रही है .वह बाघिन राधा और मीरा के साथ टेरिटोरियल एरिया साझा करता था.

विपक्ष के विरोध में बजरंग दल का प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

भोपाल, 1 अगस्त. संसद के मानसून सत्र में अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे के मुद्दे पर विपक्ष के प्रदर्शन की गूंज शनिवार को भोपाल में भी सुनाई दी. संसद परिसर में विपक्षी सांसदों के साधु बनकर किए सांकेतिक प्रदर्शन का विरोध करते हुए विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने शहर में आक्रोश रैली निकाली.

आक्रोश रैली को व्यापमं चौराहे से निकाल कर कांग्रेस कार्यालय के लिए निकले. विरोध रैली को देखते हुए चार थानों की पुलिस ने बेरिकेडिंग लगाकर कांग्रेस कार्यालय से सौ मीटर पहले प्रर्दशन कारियों को रोक दिया. प्रदर्शन के दौरान संत महंत अनिला नंद महाराज ने कहा कि संसद में प्रदर्शन के नाम पर श्री राम लला और संत समाज का अपमान किया गया है.

उन्होंने कहा कि यदि संबंधित सांसद सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते हैं तो संत समाज उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होगा. विहिप के प्रांत सह मंत्री जितेंद्र चौहान ने कहा कि संसद परिसर में विपक्षी सांसदों द्वारा संत वेश धारण कर किया गया प्रदर्शन धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला है. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस समर्थित निर्दलीय सांसद पप्पू यादव, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी व कांग्रेस के अन्य सांसदों ने धार्मिक प्रतीकों का अनुचित उपयोग किया है.